एम.पी.पी.एस.सी. मुख्य परीक्षा-2024

सामान्य हिन्दी एवं व्याकरण (प्रश्न पत्र-V)

MPPSC Mains Exam-2024

General Hindi & Grammar (Paper-V)

M-2024/V

अनुक्रमांक/Roll No.

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें।

Candidate should write his/her Roll No. here.

कुल प्रश्नों की संख्या : 8 | मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

Total No. of Questions : 8 | **No. of Printed Pages : 8**

M-2024/V

सामान्य हिन्दी एवं व्याकरण
GENERAL HINDI AND GRAMMAR

पंचम प्रश्न–पत्र
FIFTH PAPER

समय : 02 घंटे] [पूर्णांक : 200

Time : 02 Hours] [Total Marks : 200

प्रश्न : 1. इस प्रश्न में **25** लघुत्तरीय प्रश्न हैं। **प्रत्येक** प्रश्न का उत्तर अधिकतम **20-25** शब्दों में देना है। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं। **प्रत्येक** प्रश्न **03 (तीन)** अंकों का है। **(3×25=75)**

प्रश्न : (1.1) तत्पुरुष समास को सोदाहरण समझाइये। तत्पुरुष समास को परिभाषित कीजिए।

प्रश्न : (1.2) गुण संधि का कोई एक नियम और उसका उदाहरण लिखिए।

प्रश्न : (1.3) बहुव्रीहि समास को परिभाषित करते हुए कोई दो उदाहरण लिखिए।

प्रश्न : (1.4) अयादि संधि को परिभाषित करते हुए उसके कोई दो उदाहरण लिखिए।

प्रश्न : (1.5) अनुग्रहित, अध्यावसाय तथा अनाधिकार, इन तीन शब्दों की सही वर्तनी लिखिए।

प्रश्न : (1.6) पल्लवन करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

प्रश्न : (1.7) सोरठा छंद को परिभाषित कीजिए।

प्रश्न : (1.8) स्थायी भाव किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

प्रश्न : (1.9) छंद में यति और गति से क्या अभिप्राय है?

प्रश्न : (1.10) अखिल भुवन चर-अचर जग हरिमुख में लखि मातु।
चकित भयो, गद्गद् वचन, विकसित दृग, पुलकातु।।
इन पक्तियों में कौन-सा रस है और उसका स्थायी भाव क्या है?

प्रश्न : (1.11) विभाव से क्या आशय है? इसके भेदों के नाम लिखिए।

प्रश्न : (1.12) अनुवाद की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न : (1.13) शब्द-युग्म किसे कहते हैं? अनल-अनिल तथा कृपण-कृपाण शब्द युग्मों के अर्थ लिखिए।

प्रश्न : (1.14) 'ताँत बजी और राग बूझा' इस कहावत का अर्थ लिखिए और वाक्य में प्रयोग कीजिए।

प्रश्न : (1.15) अल्पविराम और अर्द्धविराम को उदाहरण देकर समझाइये।

प्रश्न : (1.16) लक्षणा शब्द शक्ति को स्पष्ट करते हुए उसके प्रकार लिखिए।

प्रश्न : (1.17) विलोम शब्द और पर्यायवाची शब्द में अंतर बताइए।

प्रश्न : (1.18) तत्सम शब्द को परिभाषित कीजिए। 'खीर' एवं 'हल्दी' शब्दों के तत्सम रूप लिखिए।

प्रश्न : (1.19) अनेकार्थी शब्द किसे कहते हैं? 'खर' और 'अतिथि' शब्दों के अनेकार्थक लिखिए।

प्रश्न : (1.20) मुहावरे और कहावतों के अर्थ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न : (1.21) मिश्र वाक्य और संयुक्त वाक्य को उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न : (1.22) छिपे हुए अर्थ का बोध कराने वाली शब्द शक्ति का नाम लिखिए एवं उसे परिभाषित कीजिए।

प्रश्न : (1.23) करण और उपादान कारक के चिह्न 'से' का प्रयोग करके दो वाक्यों की रचना कीजिए।

प्रश्न : (1.24) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइये –
अज्ञ, अनभिज्ञ।

प्रश्न : (1.25) निम्नलिखित वाक्यों के लिए एक-एक उपयुक्त शब्द लिखिए –
(अ) जिसका अनुभव इन्द्रियों द्वारा न हो सकता हो।
(ब) जिसको रोकना या निवारण करना कठिन हो।

प्रश्न : 2. प्रश्न रस एवं छंद से संबंधित है। प्रत्येक प्रश्न **01 (एक)** अंक का है।

प्रश्न : 2.1 रस :- अंग एवं प्रकार। **(1×5=5)**

प्रश्न : 2.1 (1) 'विभावानुभावव्यभिचारी संयोगा द्रसनिष्पत्तिः' रस की यह परिभाषा किसने दी है?

प्रश्न : 2.1 (2) मानव समाज में अरुण पड़ा, जल जन्तु बीच हो वरुण पड़ा।

इस तरह भभकता राणा था, मानो सर्पों में गरुण पड़ा।

इन पंक्तियों में कौन–सा रस है? उसके स्थायीभाव सहित लिखिए।

प्रश्न : 2.1 (3) हे सारथे! है द्रोण क्या, आवें स्वयं देवेन्द्र भी।
वे भी न जीतेंगे समर में आज क्या मुझसे कभी।।

इन पंक्तियों में कौन–सा संचारी भाव है?

प्रश्न : 2.1 (4) श्रृंगार रस को परिभाषित करते हुए इसके भेदों के नाम लिखिए।

प्रश्न : 2.1 (5) श्रीकृष्ण के सुन वचन अर्जुन क्रोध से जलने लगे।

सब शोक अपना भूलकर करतल–युगल मलने लगे।।

संसार देखे अब हमारे शत्रु रण में मृत पड़े।

करते हुए यह घोषणा वे हो गए उठकर खड़े।।

इन पंक्तियों में निहित रस और उसका स्थायीभाव लिखिए।

प्रश्न : 2. प्रश्न रस एवं छंद से संबंधित है। प्रत्येक प्रश्न **01 (एक)** अंक का है।

प्रश्न : 2.2 दोहा, सोरठा, चौपाई : **(1×5=5)**

प्रश्न : 2.2 (1) चौपाई छंद की दो विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न : 2.2 (2) दोहा छंद के लक्षण लिखिए।

प्रश्न : 2.2 (3) सुनि केवट के बैन प्रेम लपेटे अटपटे।

बिहसे करुनाऐन चितई जानकी लखन तन।।

इन पंक्तियों में कौन–सा छंद है?

प्रश्न : 2.2 (4) मात्रिक और वर्णिक छंद में क्या अंतर है?

प्रश्न : 2.2 (5) छंद की परिभाषा लिखिए।

प्रश्न : 3. वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

प्रश्न : 3.1 निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए। **प्रत्येक** प्रश्न **03 (तीन)** अंकों का है। **(3×5=15)**

प्रश्न : 3.1 (1) कार्यालय को इस पर कोई टिप्पणी नहीं करनी है।

प्रश्न : 3.1 (2) मामला अब भी विचाराधीन है।

प्रश्न : 3.1 (3) अनुमति देने का लिए हम सक्षम हैं।

प्रश्न : 3.1 (4) प्रारूप अनुमोदन के लिए प्रस्तुत है।

प्रश्न : 3.1 (5) स्पष्टीकरण माँगा जाए।

प्रश्न : 3. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

प्रश्न : 3.2 निम्नलिखित वाक्यों का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए। **प्रत्येक** प्रश्न **03 (तीन)** अंकों का है। **(3×5=15)**

प्रश्न : 3.2 (1) Leave can be sanctioned.

प्रश्न : 3.2 (2) I have gone through the case carefully.

प्रश्न : 3.2 (3) Inspected and found correct.

प्रश्न : 3.2 (4) Dispose off all pending matters.

प्रश्न : 3.2 (5) We may ask the Ministry of Finance to reconsider.

प्रश्न : 3.3 हिन्दी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी में पांच-पांच प्रशासनिक मानक शब्दों के अर्थ लिखिए। **प्रत्येक** प्रश्न **01 (एक)** अंक का है। **(1×10=10)**

प्रश्न : 3.3 (1) स्पष्टीकरण

प्रश्न : 3.3 (2) शुद्धिपत्र

प्रश्न : 3.3 (3) अनुकंपा

प्रश्न : 3.3 (4) मानदेय

प्रश्न : 3.3 (5) अधिवास

प्रश्न : 3.3 (6) Cooperative officer

प्रश्न : 3.3 (7) Quality control officer

प्रश्न : 3.3 (8) Adverse entry

प्रश्न : 3.3 (9) Agenda

प्रश्न : 3.3 (10) Adjournment motion

प्रश्न : 4.1 इस प्रश्न में हिन्दी व्याकरण से संबंधित (संधि एवं समास) प्रश्न हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं। **प्रत्येक** प्रश्न **02 (दो)** अंकों का है। **(2×5=10)**

प्रश्न : (4.1) (1) 'आच्छादन' शब्द का संधि विच्छेद कीजिए और संधि का नाम लिखिए।

प्रश्न : (4.1) (2) महौषधि शब्द में स्पष्ट संधि का कौन–सा भेद है?

प्रश्न : (4.1) (3) 'नमस्ते' शब्द का संधि विच्छेद कीजिए और संधि का नाम लिखिए।

प्रश्न : (4.1) (4) 'चक्रपाणि' शब्द का समास विग्रह कीजिए और उस समास का नाम लिखिए।

प्रश्न : (4.1) (5) जब एक पद विशेषण और दूसरा पद विशेष्य हो, तो कौन–सा समास होता है?

प्रश्न : 4.2 इस प्रश्न में हिन्दी व्याकरण से संबंधित (मुहावरे एवं कहावतें) प्रश्न हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं। **प्रत्येक** प्रश्न **02 (दो)** अंकों का है। **(2×5=10)**

प्रश्न : (4.2) (1) 'उड़ती चिड़िया पहचानना' मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइये।

प्रश्न : (4.2) (2) 'गूलर का फूल होना' मुहावरे का अर्थ लिखकर मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

प्रश्न : (4.2) (3) 'जंगल में मोर नाचा किसने देखा' इस कहावत का अर्थ लिखिए।

प्रश्न : (4.2) (4) 'खग जाने खग ही की भाषा' इस कहावत का अर्थ लिखिए।

प्रश्न : (4.2) (5) 'ऊँची दुकान फीका पकवान' कहावत का अर्थ लिखते हुए वाक्य बनाइये।

प्रश्न : 5. इस प्रश्न में प्रारंभिक व्याकरण एवं शब्दावलियों से संबंधित प्रश्न हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं। **प्रत्येक** प्रश्न **02 (दो)** अंकों का है। **(2×10=20)**

S. No.	**प्रश्न**
1	'लालिमा' शब्द का तद्भव होगा।
2	'जो' शीघ्र प्रसन्न होने वाला हो, कहलाता है।
3	'श्रृंगार' शब्द की वर्तनी को शुद्ध करके लिखिए।
4	'पौरुषेय' शब्द का विलोम लिखिए।
5	'पृथ्वी से संबंधित या मिट्टी का बना हुआ' के लिए एक शब्द लिखिए।
6	'प्रज्ज्वलित ' शब्द की वर्तनी ठीक करके लिखें।
7	'सीता कमलमुखी हैं' इस वाक्य में कौन–सी शब्द शक्ति है?
8	'उनकी अपनी प्रखर बुद्धिशक्ति उनके हर काम में प्रकट होती है।' इस वाक्य को शुद्ध रूप में लिखिए।
9	'क्षति' शब्द का अर्थ 'हानि' तो 'क्षिति' शब्द का अर्थ लिखिए।
10	'वाह वाह कितना अच्छा गाते हो।' इस वाक्य में उचित विराम चिह्नों का प्रयोग कीजिए।

प्रश्न : 6. रेखांकित अथवा दी गई पंक्तियों का पल्लवन अथवा भाव पल्लवन कीजिए। अभ्यर्थी जिस प्रश्न का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में अनिवार्यतः करें। प्रश्न **05 (पाँच)** अंकों का है। **(5×1=5)**

(अ) 'नर और नारी जन्मते और मरते हैं, परन्तु राष्ट्र सदा अमर रहता है।'

(अथवा)

(ब) कर्म प्रधान विश्व करि राखा। जो जस करइ सो तस फल चाखा।।

प्रश्न : 7. प्रश्न मध्य प्रदेश की प्रमुख बोलियाँ–मालवी, निमाड़ी, बघेली और बुंदेली से संबंधित है। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं। प्रत्येक प्रश्न **01 (एक)** अंक का है। **(1×12=12)**

प्रश्न : 7.1 (1) मालवी की किन्हीं दो उपबोलियों के नाम लिखिए।

प्रश्न : 7.1 (2) मालव मयूर के नाम से किन्हें पुकारा जाता है?

प्रश्न : 7.1 (3) मालवा क्षेत्र के प्रतिनिधि लोकनाट्य का नाम बताइए।

प्रश्न : 7.2 (1) संत सिंगाजी के गुरु का नाम बताइए।

प्रश्न : 7.2 (2) 'निमाड़ का सांस्कृतिक इतिहास' और 'जब निमाड़ गाता है' पुस्तकों के लेखक कौन हैं?

प्रश्न : 7.2 (3) निमाड़ में हरियाली अमावस्या पर किस भित्ति चित्र का अंकन किया जाता है?

प्रश्न : 7.3 (1) बघेली बोली का उद्‌भव किस अपभ्रंश से हुआ?

प्रश्न : 7.3 (2) एक मनई के दुइ लरिका रहै।.... तब वोकर जेठ लरिका खेत मा रहा तै। मैं उठि कै अपे बाप के लघे जात हो....।

यह किस क्षेत्र के अंतर्गत बोली जाने वाली बोली का रूप है?

प्रश्न : 7.3 (3) 'गीता पढ़ि लिहिस हइ' वाक्य में किस काल का बोध होता है?

प्रश्न : 7.4 (1) बुंदेली के दो प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।

प्रश्न : 7.4 (2) एक जने के दो मोड़ा हते। .... तब वा के बड्डो भइया खेत में हतो। यह किस क्षेत्र के अंतर्गत बोली जाने वाली बोली का रूप है?

प्रश्न : 7.4 (3) बुंदेली की प्रसिद्ध 'लोकगाथा' जिसे हिन्दी साहित्य में स्थान मिला। लिखिए।

प्रश्न : 8. निम्नलिखित में से किसी **एक** गद्यांश के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों का उत्तर दीजिए। अभ्यर्थी जिस गद्यांश का उत्तर लिख रहे हैं, उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में करें। **प्रत्येक** प्रश्न **03 (तीन)** अंकों का है। **(3×6=18)**

प्रश्न : 8. (अ) समालोचक के रूप में महावीर प्रसाद द्विवेदी जी ने किसी नूतन शैली की उद्भावना नहीं की। पूर्व और पश्चिम के आलोचना-शास्त्रों से समन्वित कोई आलोचना सिद्धान्त नहीं लिखा, पर सामयिक पुस्तकों के भाषा-दोषों को उभार-उभार कर बतलाने का यह परिणाम हुआ कि हिन्दी लेखक परिष्कृत भाषा लिखने की ओर अधिक से अधिक प्रवृत्त हुए। भाषा की स्थिरता पर सजग प्रहरी के समान बराबर दृष्टि जमाए रहते थे। वे 'कला कला के लिए' सिद्धांत को मानने वालों में नहीं थे। जिन्होंने एक जगह लिखा है — 'मनोरंजन मात्र के लिए प्रस्तुत किये गए साहित्य में भी चरित्र गठन को हानि नहीं पहुँचनी चाहिए।' आलस्य, अनुद्योग और विलासिता को उद्‌बोधित करने वाला साहित्य उन्हें बिल्कुल नहीं रुचता था। इसीलिए हिन्दी में वे सात्विक साहित्यिक आदर्शवाद के प्रतिपादक माने जाते हैं, जिसका पल्लवित रूप प्रेमचंद में बहुत स्पष्टता से दिखाई देता है। आदर्शवाद के आग्रह के कारण उनके युग का साहित्य उपदेशात्मक अधिक हो गया है, जिसकी प्रतिक्रिया छायावाद-युग में दिखाई देती है।

प्रश्न :

(i) महावीर प्रसाद द्विवेदी की आलोचना के किस पक्ष ने हिन्दी लेखकों को प्रभावित किया?

(ii) द्विवेदी जी के विचार में साहित्य का उद्देश्य क्या है?

(iii) गद्यांश के आधार पर साहित्यिक आदर्शवाद का अर्थ लिखिए।

(iv) द्विवेदी जी के आदर्शवाद का तत्कालीन साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा?

(v) महावीर प्रसाद द्विवेदी जी ने समालोचक के रूप में क्या नहीं किया?

(vi) इस गद्यांग का केन्द्रीय भाव क्या है?

(अथवा)

प्रश्न : 8. (ब) नाटक प्राचीनकाल से ही कला जगत् में सर्वाधिक मनोरम और आकर्षक कला–माध्यम माना जाता रहा है। साहित्य के अन्तर्गत नाटक सबसे अधिक सुन्दर और आनन्ददायी विधा है जिसका भव्य आयोजन करके गुणी और मर्मज्ञ आनन्द का अनुभव करते हैं। यह मान्यता यद्यपि अत्यन्त प्राचीन है किन्तु आज भी इसकी सत्यता को चुनौती देना संभव नहीं है। नाटक के आयोजन में जो सुकुमारता और कला–सूक्ष्मता है वह आज के युग में भी सर्वश्रेष्ठ कला बनाए हुए है। नाटक का शिल्पविधान और उसकी रचना की बारीकियाँ उसे एक अप्रतिम आकर्षक का विषय बना देती हैं। सबसे प्रमुख बात तो यह है कि नाटक का शिल्पविधान एक सामूहिक विधान है जिसमें नाटककार के साथ–साथ निदेशक तथा विभिन्न अभिनेताओं का भरपूर सहयोग प्राप्त होता है। इतना ही नहीं, नाटक के इस भव्य आयोजन में हजार–हजार दर्शक समूह भी अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करता है जिससे नाटक की मंच प्रस्तुति निर्बाध रूप से सम्पन्न होती है। इन सबके समवेत प्रयास तथा इन सबकी समवेत प्रतिभा के योग से ही नाटक की प्रस्तुति सम्भव होती है। यह सही है कि कला की सबसे जीवन्त और सार्थक भूमिका नाटक ही निभाता है क्योंकि वह व्यापक रूप से जनचेतना का अंग और बहुत हद तक उसका प्रतिरूप है।

प्रश्न :

(i) प्राचीन काल में नाटक को किस तरह का कला माध्यम माना जाता रहा है?

(ii) नाटक सर्वश्रेष्ठ कला क्यों है?

(iii) किन के समवेत प्रयास से नाटक की प्रस्तुति संभव होती है?

(iv) नाटक जनचेतना का प्रतिरूप क्यों है?

(v) नाटक की सफलता में किन का योगदान होता है?

(vi) इस गद्यांश का केन्द्रीय भाव लिखिए।

★★★